तुमसे प्रभु ये रिश्ता पुराना | By Kumar Shanu

तुमसे प्रभु ये रिश्ता पुराण
ये सांसें हैं जब तक साथ निभाना

इस दुनिया में कुछ भी नहीं मेरा
मैं तेरा और तू मेरा है बस मेरा
छोड़ दी दुनियादारी अब मैंने
डाल दिया है दर पे तेरे डेरा
याद मुझे वो गुज़रा ज़माना
ये सांसें हैं जब तक साथ निभाना

है तुमसे जुडी जीवन की हर एक डोर
ऐसा लगे तू खींचे मेरी और
तुमसे जोड़ा ऐसा ये बंधन
तेरा बिना न लगता मेरा मन
हर ग्यारस मुझे खाटू बुलाना
ये सांसें हैं जब तक साथ निभाना

अंत समत्य तक लूँ मैं नाम तेरा
मेरा रोम रोम है कर्ज़दार तेरा
है जितना किया तूने ओ मेरे श्याम
शुक्र करूँ मैं तेरा सुबह शाम
शानू को तेरे न दिल से भुलाना
ये सांसें हैं जब तक साथ निभाना

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a4%e0%a5%81%e0%a4%ae%e0%a4%b8%e0%a5%87-%e0%a4%aa%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a4%ad%e0%a5%81-%e0%a4%af%e0%a5%87-%e0%a4%b0%e0%a4%bf%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%a4%e0%a4%be-%e0%a4%aa%e0%a5%81%e0%a4%b0/